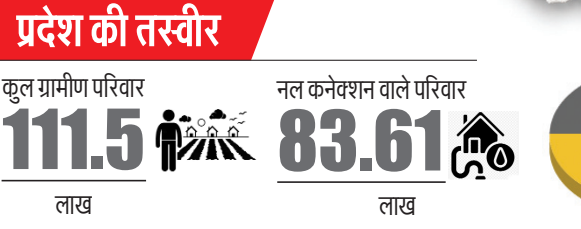


नव भारत

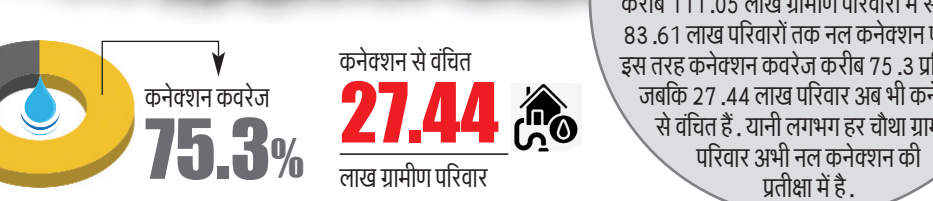
नल लगे, टंकियां बनीं, करोड़ों खर्च ... गांव प्यासे

प्रदेश में आधा अधूरा जल जीवन मिशन : 75% घरों तक कनेक्शन का दावा, लेकिन मऊगंज से मालवा-निमाड़ और विंध्य तक कहीं टंकी खड़ी है तो कही नलों की टोंटियां सूखी हैं

टीम नवभारत
भोपाल. गांवों में हर घर तक नल से पानी पहुंचाने के लिए मध्यप्रदेश में करोड़ों रुपये खर्च किए गए, कहीं पानी की टंकियां खड़ी हो गईं, कहीं पाइपलाइन बिछ गईं और कहीं घरों में नल कनेक्शन भी दर्ज हो गए, सरकारी आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश के करीब 75.3 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों तक नल कनेक्शन पहुंच चुका है. लेकिन दूसरी तस्वीर यह है कि मऊगंज के चार गांवों में करोड़ों रुपये के भुगतान के बाद भी अधूरी पाइपलाइन और ठप जलापूर्ति की शिकायतें जांच का विषय बनीं. हालांकि केंद्र सरकार ने भी मिशन की मियाद को बढ़ाकर दिसंबर 2028 कर दिया है. प्रदेश में मिशन के तहत एक करोड़ 12 लाख घरों में नल पहुंचाना है, लेकिन अब तक महज 86 लाख घरों में ही पहुंच हो सकी है. यानी अब भी 26 लाख घर ऐसे हैं, जहां काम होना है. प्रदेश में मिशन के तहत राशि मिलना बंद होने पर सरकार अपने स्तर पर काम कर रही है. हालांकि हाल ही में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात कर मिशन के बकाया 5 हजार करोड़ रुपये की मांग की है.



मालवा-निमाड़ करोड़ों खर्च, फिर भी नियमित पानी का इंतजार
झाबुआ में 430 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद खड़ा, धंधलपुरा, नामनखेड़ी और बख्तपुरा सहित कई गांवों में पानी नहीं मिल रहा. जिले में 1.79 लाख से अधिक घरों तक नल से जल पहुंचाने का आंकड़ा बताया गया है, लेकिन सच्चाई यह है कई आधे से अधिक घरों में पानी नहीं पहुंच रहा. **शाजापुर** जिला मुख्यालय के पास बज्जाहंडा में टंकियां बनने के बाद भी पानी नहीं पहुंचने तथा कई जगह



कैग की ऑडिट में भी सामने आई कमियां
मध्यप्रदेश में जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की निष्पादन ऑडिट रिपोर्ट 22 जुलाई 2026 को विधानसभा में पेश की गई. इसमें 2019-20 से 2023-24 तक योजना के क्रियान्वयन की जांच की गई. के अनुसार, योजनाओं की तैयारी, जलस्रोतों की स्थिरता, निर्माण की गुणवत्ता, निगरानी और रखरखाव से संबंधित कमियां सामने आईं. ऑडिट अवाधि के सितंबर 2024 तक के आंकड़ों में जांच के दायरे वाली बहु-ग्राम योजनाओं में 27 प्रतिशत और एकल-ग्राम योजनाओं में 58 प्रतिशत के ही पूर्ण होने का उल्लेख किया गया. यानी आधी परियोजनाएं अब भी अधूरी पड़ी हैं.

विंध्य अधूरी टंकियां, धीमी परियोजनाएं और हजारों परिवार वंचित
रीवा संभाग में नल-जल योजनाओं की धीमी प्रगति और अधूरे निर्माण की शिकायतें सामने आई हैं. उपलब्ध क्षेत्रीय जानकारी के अनुसार, रीवा-मऊगंज के 2,817 गांवों में पेयजल पहुंचाने के लिए करीब 3,400 करोड़ रुपये की तीन परियोजनाओं का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन उनकी प्रगति 25 से 30 प्रतिशत से कम बताई गई है.

ग्वालियर-चंबल परियोजना से बड़ी उम्मीद
458 करोड़ रुपये की चंबल-कोतवाल पेयजल परियोजना से ग्वालियर और मुरैना को राहत मिलने की उम्मीद अब भी अधूरी है. निर्माण में जमीन संबंधी विवाद और प्रशासनिक अड़थक ने अड़ंगा लगा रखा है. वहीं ग्वालियर को प्रतिदिन 150 एमएलडी पानी उपलब्ध कराने की योजना है. लेकिन इस क्षमता का वास्तविक लाभ परियोजना पूरी होने और नियमित आपूर्ति शुरू होने के बाद ही मिलेगा. दूसरी ओर, मुरैना के अंबाह राईत दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता और जलापूर्ति व्यवस्था को लेकर चुनौतियां बनी हुई हैं. भिंड समेत संभाग के अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में भी काम अधूरा पड़ा है.

सीएसपी नेहा पच्चीसिया की सुनवाई 15 तक टली

जबलपुर. कटनी की निर्लंबित सीएसपी नेहा पच्चीसिया से जुड़े प्रकरण में हाई कोर्ट में सोमवार को प्रस्तावित सुनवाई समयाभाव के कारण फिर्त टल गई. अब मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को होगी. न्यायमूर्ति आनंद पाठक और न्यायमूर्ति रामकुमार चौबे की युगलपीठ के समक्ष पहले संबंधित याचिकाओं की संयुक्त सुनवाई प्रस्तावित थी. इनमें नेहा पच्चीसिया की ओर से एफआइआर निरस्त करने और अग्रिम जमानत से संबंधित राहत की मांग तथा शिकायतकर्ता पक्ष की ओर से मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग शामिल है. पूर्व सुनवाई में युगलपीठ ने दोनों याचिकाओं पर संयुक्त रूप से सुनवाई के निर्देश दिए थे.



मऊगंज में भुगतान के बाद भी अधूरे काम
भ्रष्टाचार की शिकायत पर ईओडब्ल्यू ने मऊगंज के जुड़मानिया खुनाथ, खटखरी, करह और शिवराजपुर में नल-जल योजना की जांच की. रिपोर्ट में टेकेदार को 3.85 करोड़ रुपये के भुगतान के बावजूद अधूरे कनेक्शन, अधूरी पाइपलाइन और बंद जलापूर्ति बताया गया. खटखरी में पानी भरने के परीक्षण के दौरान टंकी ढह गई. करह में सीमित हिस्से में मिला और चार मोटर लगाए जाने के दावे के मुकाबले मौके पर एक ही मोटर मिलने की बात सामने आई. यह हालात सैकड़ों गांवों में बने हुए हैं.

313 फिर भी गांवों करोड़ खर्च में सूखे नल



भोपाल जिले में करीब 313 करोड़ रुपए खर्च होने के बावजूद ग्रामीणों को नियमित जलापूर्ति नहीं मिल रही है. करीब 95 प्रतिशत गांवों में योजनाओं का काम पूरी तरह पूरा नहीं हुआ है. कहीं पाइपलाइन अधूरी है तो कहीं टंकियां और पंप हाउस नहीं बने. नाथू बरखेड़ा, रावलिया, कालापानी, बोरदा और महाबड़िया सहित कई गांवों में काम लंबे समय से रुका है. ग्रामीणों के मुताबिक, कुछ जगह डेढ़ साल से काम आगे नहीं बढ़ा.

भोपाल यहां 16 हजार से ज्यादा परिवार वंचित
राजधानी भोपाल के ग्रामीण क्षेत्रों में भी लक्ष्य पूरी तरह हासिल नहीं हुआ है. फंदा और बैरसिया विकासखंड में कुल 97,642 परिवारों में से 81,533 को नल कनेक्शन मिले हैं. अभी 16,109 परिवार कनेक्शन से वंचित हैं. इनमें फंदा में 47,067 परिवारों में से 36,584 को कनेक्शन और बैरसिया में 50,575 परिवारों में से 44,949 को कनेक्शन मिले हैं. जिले में योजनाओं को पूरा करने के साथ हस्तांतरण और प्रमाणीकरण की चुनौती भी है. हालिया रिपोर्ट में 465 स्वीकृत योजनाओं, 278 पूर्ण योजनाओं और 108 प्रगतिरत योजनाओं का उल्लेख है. 41 पूर्ण योजनाएं अब तक ग्राम पंचायतों को नहीं सौंपी गई हैं. वहीं, 278 पूर्ण 'हर घर जल' गांवों में 229 प्रमाणित हैं और 49 का प्रमाणीकरण बाकी है.

कागजों में 60% काम पूरा, गांवों में पानी का इंतजार
जबलपुर संभाग में नल-जल योजनाओं की प्रगति के सरकारी आंकड़ों और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर है. लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधीक्षण यंत्री डीके मसूलकर के मुताबिक, जबलपुर में 324.17 करोड़ रुपए की लागत से शुरू 608 योजनाओं में 407 गांवों में काम पूरा हो चुका है, जबकि 51 योजनाएं प्रगति पर हैं. करीब 150 गांवों में पंचायतों ने योजनाओं का हेडओवर नहीं लिया है. जल निगम की 935 करोड़ रुपए की परियोजनाएं भी अधूरी हैं. मंडला, कटनी, डिंडोरी और नरसिंहपुर में भी सैकड़ों योजनाएं पूरी या प्रगतिरत बताई गई हैं, लेकिन ग्रामीण अब भी पानी के लिए परेशान हैं.

ढाल सिंह बने उत्तराखंड के राज्यपाल
केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, ओडिशा, सिक्किम समेत 6 राज्यों में नए गवर्नर

नवभारत न्यूज
नई दिल्ली, 12 अक्टूबर. राष्ट्रपति ने सोमवार को एक महिला समेत 6 राज्यों में नए राज्यपाल नियुक्त किए हैं. इनमें ओम प्रकाश माथुर को केरल, राजेंद्र विश्वनाथ आलेंकर को तमिलनाडु, डॉ. सुधा यादव को कर्नाटक, बृज मोहन राम को ओडिशा, डॉ. ढाल सिंह बिसेन को उत्तराखंड और दुर्ग्यंत गौतम को सिक्किम का राज्यपाल बनाया गया है. ओम प्रकाश माथुर भाजपा के वरिष्ठ नेता और अनुभवी संगठनकर्ता हैं. वे भाजपा में कई संगठनात्मक जिम्मेदारियां निभा चुके हैं और पार्टी की केंद्रीय



बिसेन मध्य प्रदेश में चार बार विधायक रहे
डॉ. ढाल सिंह बिसेन मध्य प्रदेश के भाजपा नेता हैं. उनका जन्म 14 मई 1952 को सिवनी जिले के पिपरिया में हुआ था. वे पेशे से डॉक्टर हैं. उन्होंने 1990 से 2008 के बीच मध्य प्रदेश विधानसभा में चार कार्यकाल पूरे किए और 2003 से 2005 तक राज्य सरकार में मंत्री रहे. 2019 में वे बालाघाट लोकसभा सीट से सांसद चुने गए और 2024 तक इस पद पर रहे.

लोकसभा सांसद रहे. डॉ. सुधा यादव भाजपा की वरिष्ठ नेता हैं. वे राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य बनीं. दुर्ग्यंत गौतम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से होने के साथ चर्चा में भाजपा के प्रचार, संगठन तथा डिजिटल अभियानों में सक्रिय रहे. उन्हें साईं सदस्य नियुक्त भी बनाया गया.

शक्तिपीठ 51 शक्तिपीठों में से एक है माता का मंदिर, नवरात्र के दौरान उमड़ते हैं लाखों श्रद्धालु

हरसिद्धि मंदिर में दीपदान करने से हो जाती है मन्नत पूरी

भूपेन्द्र भूतडा
उज्जैन, 12 अक्टूबर. हरसिद्धि मंदिर में कुछ ऐसा होता है, जिसे देखने के बाद लोग कुछ पल के लिए ठहर जाते हैं. सैकड़ों नहीं, हजारों दीप जब एक साथ जलते हैं, तो लगता है जैसे रोशनी खुद कोई राज बयां कर रही हो. शारदीय नवरात्रि की शुरुआत के साथ यहां उमड़ी भीड़ सिर्फ दर्शन के लिए नहीं, बल्कि उस अनदेखी ताकत को महसूस करने के लिए है. महाकालेश्वर मंदिर से करीब 250 मीटर दूर स्थित हरसिद्धि मंदिर को 51 शक्तिपीठों में गिना जाता है. हरसिद्धि माता सम्राट विक्रमादित्य की आराध्य देवी थीं. महंत रामचंद्र गिरी ने बताया कि



भारत में माता सती के अंग अलग-अलग स्थानों पर गिरे थे, उनमें से एक उज्जैन भी रहा है जहां माता सती का दाहिनी कोहनी क्षिप्रा नदी किनारे गिरी थी. तभी से भगवान शिव ने यहां शक्तिपीठ के रूप में माता का स्थान स्थापित किया. समय बदला सम्राट

51 फीट ऊंचे स्तम्भों में दीपों को जलाने में लगता है 60 लीटर से अधिक तेल
मंदिर के अग्र भाग पर 51 फीट ऊंचे 1100 दीपों के दो दीप स्तम्भ हैं जिन्हें जलाने में एक बार में 60 लीटर तेल और 4 किलो रुई की आवश्यकता होती है. समय-समय पर इन दीप स्तंभों की साफ-सफाई भी की जाती है, जो काफी मुश्किल है. लेकिन आज भी शहर का पारंगत जोशी परिवार इस परंपरा को बखूबी निभा रहा है. मंदिर परिवार के महंत रामचंद्र गिरी के अनुसार 'साल भर में 4 नवरात्रि' होती है. एक अष्टाद मास की गुप्त नवरात्रि, चैत्र नवरात्रि, कुवार अश्विन माह की व माघ मास की नवरात्रि. सभी का अपना महत्व है. देवियों के मंदिर में 9 दिन तक अलग-अलग स्वरूप में उनकी पूजा की जाती है. मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है. दीप मालिका पर दीपक लगाने की अग्रिम बुकिंग वर्षों पूर्व हो जाती है.

काम पर नहीं लौटे पटवारी, रजिस्ट्री अटकी

निलंबित और बर्खास्त पटवारियों की बहाली को लेकर आदेश जारी होने का इंतजार



देर शाम तक कोई आदेश जारी नहीं हुआ
पटवारी संघ सोमवार को दिनभर राजस्व विभाग या फिर कलेक्टरों की ओर से बहाली या नोटिस देने की कार्यवाही को शून्य घोषित करने संबंधी आदेश की प्रतीक्षा करते रहे, लेकिन देर शाम तक इस संबंध में कोई आदेश जारी नहीं हो सका था. ऐसे में पटवारियों ने रजिस्ट्री के काम से दूरी बनाए रखी.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से पटवारी संघ के पदाधिकारियों की चर्चा के बाद स्वामित्व योजना को

अधिकारी बनने पर राज्य सरकार की ओर से कानूनी सुरक्षा देने के साथ ही निर्लंबित और बर्खास्त पटवारियों को बहाल करने संबंधी आश्वासन मिले थे, इसी आश्वासन के आधार पर उन्होंने सोमवार से स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री का काम शुरू करने की बात कही थी, लेकिन राजस्व विभाग ने 10 अगस्त को आदेश जारी कर रजिस्ट्री के लिए निष्पादक अधिकारी बनने पर बाद में किसी भी तरह की कानूनी कार्यवाही से सुरक्षा देने संबंधी आदेश तो जारी कर दिए हैं, लेकिन दूसरी मांग को लेकर अब तक आदेश जारी नहीं हुए हैं.

रील बनाने के बहाने ज्वैलर्स के मैनेजर से 10 लाख की ठगी

इंदौर. एमजी रोड थाना क्षेत्र में एक युवती द्वारा सोशल मीडिया पर रील बनाने और फोटो खिंचवाने के बहाने 10 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है. सराफा स्थित ज्वैलर्स के मैनेजर को झंसे में लेकर वारदात की गई. शिकायत पर पुलिस ने युवती के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है. पुलिस के अनुसार, सराफा स्थित सांवरवाला ज्वैलर्स में मैनेजर अंकित उपाध्याय 8 अक्टूबर को दोपहर करीब एक बजे शोरूम का 10 लाख रुपए का कलेक्शन बैंक में जमा कराने निकले थे. रास्ते में डीआरपी लाइन स्थित भारतीय स्टेट बैंक के गेट पर उनकी मुलाकात पुरानी परिचित युवती आयुषी बागदे उर्फ आयुषी वमा से हुई.

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिले विस अध्यक्ष तोमर



विधानसभा अध्यक्ष तोमर और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीच परस्पर प्रतिद्वंद्विता चल रही है, जिसका अंचल की राजनीति पर भी असर पड़ रहा है. वचस्व को इस जंग में कोई भी नेता कमजोर नहीं पड़ना चाहते. बहरहाल उनकी इस मुलाकात को इस विषय से भी जोड़कर देखा जा रहा है.